परियोजना

भारतमाला एक्सप्रेस-वे से बदलेगी पूर्वी भारत की तस्वीर

छह घंटे में तय होगा चंदौली से कोलकाता का सफर

आशुतोष तिवारी
चंदौली, 14 दिसंबर।

पूर्वी भारत को तेज रफ्तार सड़क नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भारत माला परियोजना एक ऐतिहासिक बदलाव लेकर आ रही है। इस परियोजना के तहत प्रस्तावित आठ लेन का आधुनिक एक्सप्रेस-वे चंदौली को सीधे कोलकाता से जोड़ेगा, जिससे अभी 13-14 घंटे लगने वाला सड़क सफर घटकर मात्र छह घंटे का रह जाएगा।

चंदौली जिले में यह एक्सप्रेसवे कुल 31 गांवों से होकर गुजरेगा। भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवादों के चलते निर्माण कुछ समय के लिए धीमा पड़ा था, लेकिन अधिकारियों के अनुसार अब अधिकांश प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है। प्रशासन के अनुसार करीब 90 फीसद भूमि निर्माण एजंसी को सौंप दी गई है।

करीब 686 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर गुजरेगा। चंदौली से शुरू होकर यह मार्ग भभुआ, सासाराम, औरंगाबाद, बोकारो, रांची और पुरुलिया होते हुए कोलकाता तक पहुंचेगा। अकेले चंदौली जनपद में इस एक्सप्रेसवे की लंबाई लगभग 22 किलोमीटर होगी। बता दें कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के अंतर्गत इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण में करीब 24,275 करोड़ रुपए की लागत आएगी। परियोजना को वर्ष 2019 में स्वीकृति मिली थी, जबकि फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंदौलीझकोलकाता खंड की आधारशिला रखी थी। इसके बाद निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ी है और इसे अगले तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चंदौली जिले में यह एक्सप्रेसवे कुल 31 गांवों से होकर गुजरेगा। भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवादों के चलते निर्माण कुछ समय के लिए धीमा पड़ा था, लेकिन अधिकारियों के अनुसार अब अधिकांश प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है। प्रशासन के अनुसार करीब 90 फीसद भूमि निर्माण एजंसी को सौंप दी गई है और कई स्थानों पर पुल-पुलियों का कार्य शुरू हो चुका है। यह एक्सप्रेसवे पूर्वी भारत के आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देगा। झारखंड के खनिज क्षेत्रों, बोकारो स्टील प्लांट और धनबाद की कोयला खदानों से कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह तक माल ढुलाई बेहद आसान हो जाएगी। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी। साथ ही झारखंड और पश्चिम बंगाल के पश्चिमी हिस्सों में स्थित कई प्राकृतिक और धार्मिक पर्यटन स्थल, जो अब तक सड़क संपर्क के अभाव में कम चर्चित थे, एक्सप्रेस-वे के कारण पर्यटन मानचित्र पर उभरेंगे। यह एक्सप्रेस-वे केवल वाराणसी और कोलकाता को ही नहीं जोड़ेगा, बल्कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिए दिल्ली, राजस्थान और आगे जम्मू-कश्मीर तक निर्बाध सड़क संपर्क स्थापित करेगा।